भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2567

04 **अगस्त**, 2023 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

आयुष चिकित्सकों को एलोपैथी पद्धति में प्रशिक्षण

2567. श्री एस. ज्ञानतिरावियम:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में एलोपैथी चिकित्सकों की कमी को देखते हुए गांवों में आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात अधिकांश आयुष चिकित्सक एलोपैथी पद्धति से भी मरीजों का इलाज करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का आयुष चिकित्सकों को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए अधिक उपयोगी बनाने के लिए एलोपैथी प्रणाली में प्रशिक्षण प्रदान करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो ऐसे निर्णय (निर्णयों) पर कब तक विचार किया जाएगा; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ड.): आयुष को मुख्यधारा में लाना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मुख्य नीतियों में से एक है, जिसका लक्ष्य जनता को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) चिकित्सकों/पराचिकित्सकों की नियुक्ति हेतु सहयोग प्रदान किया जाता है, बशर्ते दूरस्थ पीएचसी और सीएचसी को प्राथमिकता के साथ वे मौजूदा जिला अस्पतालों (डीएच), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में सह-स्थापित हों।

एनएचएम के अंतर्गत सह-स्थापित 13,815 आयुष सुविधाओं में आयुष को मुख्य धारा में शामिल किया गया है (7,011 पीएचसी, 3,051 सीएचसी, 460 जिला अस्पताल, 281 सीएचसी के इतर ब्लॉक स्तर पर या उससे ऊपर लेकिन जिला स्तर से नीचे और 3,021 अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं एससी से ऊपर लेकिन ब्लॉक स्तर से नीचे)। विभिन्न सह-स्थापित स्वास्थ्य सुविधाओं में 28,082 आयुष चिकित्सक और 4,285 आयुष पराचिकित्सक कार्यरत हैं (31.03.2023 तक एनएचएम-एमआईएस के अनुसार)।

*****